* बौद्धकालीन छत्तीसगढ़ *

छ.ग. में बौद्धकालीन साक्ष्य :—

बौद्धकाल – 6वी सदी ई.पू.

सम्मिलित – कोसल जनपद के अन्तर्गत

साहित्य – अवदानशतक – इस ग्रंथ के अनुसार गौतमबुद्ध धर्म प्रचार के लिए दक्षिण कोसल आये थे।
- उ माह यहाँ की राजधानी में उन्होंने प्रवास किया।
- गौतम बुद्ध ने उत्तर कोसल के राजा प्रसेनजीत और दक्षिण कोसल के नरेश संभवतः विजयसेन के बीच विवाद को शांत कराया था।

सी-यू-की – चीनी यात्री ह्वेनसांग के यात्रा वृतांत सी-यू-की से भी यह पुष्टि होती है कि गौतम बुद्ध दक्षिण कोसल आये थे।
- ह्वेनसांग ने सिरपुर में अशोक द्वारा निर्मित स्तूप का वर्णन किया है।

सिक्के – 6 वीं सदी ई.पू. (बौद्धकालीन) के कुल 225 चांदी के आहत सिक्के नि.लि. स्थानों से प्राप्त हुए हैं –
1. तारापुर (रायपुर) 2. ठठारी (सक्ती) 3. बालाघाट (MP)

स्थल – 1. सिरपुर (महासमुंद)
- उत्खननकर्ता – एम.जी. दीक्षित
- उत्खनन – स्वास्तिक विहार एवं प्रभु आनंदकुटी विहार
- मठा मंदिर – यहाँ बौद्ध, हिन्दू और जैन मंदिर तथा मठों के स्मारक है।

RANKA
DATE / /
PAGE

- बौद्ध विहार - 1. स्वास्तिक विहार (1954-55) बौद्ध केन्द्र
  2. प्रभु आनेदकुटी विहार (मुख्य प्रतिमा बुद्ध की)
  3. तीवरदेव विहार (बुद्ध की मूर्ति)
  4. सनसुई बौद्ध विहार (1997-2002)
  5. राधिका विहार

- निर्माणकर्ता - पाण्डुवंशीय शासक महाशिवगुप्त बालार्जुन ने सिरपुर में अनेक बौद्ध विहारों का निर्माण करवाया एवं बौद्ध विहारों के लिए भूमि दान किये।

- अन्य स्थान - बौद्ध टीला (सिरपुर)

- प्रतिमाएँ - पीतल से निर्मित बौद्ध मूर्तियाँ।
  - बालचंद्र जैन अनुसार सिरपुर की धातु प्रतिमाओं का निर्माण शैली नालंदा की शैली से प्रभावित है।
  - यहाँ से प्राप्त बुद्ध की प्रतिमा को "बोधि वृक्ष के नीचे धर्मचक्र प्रवर्तन मुद्रा में दिखाया गया है।

- विशेष - सिरपुर तथा मल्हार से बौद्ध धर्म के "तंत्रवाद" से प्रभावित शाखा वज्रयान एवं सहजयान के विकास के प्रमाण मिले हैं।

2. भांगापाल :- यह कोण्डागाँव जिला में स्थित है, यहाँ से भगवान बुद्ध की "विशाल प्रतिमा" मिली है।
  - कई बौद्ध विहार एवं चैत्यगृह स्थित है।

बौद्ध टीला - 1. डोकरा बाबा टीला - चैत्यगृह को
2. रानी टीला - सप्तमातृका टीला को

DATE / /
PAGE

8. तुरतुरिया — यह बारनवापारा अभ्यारण्य बलौदाबाजार जिले में स्थित है। यहां मौर्यकालीय बौद्ध भिक्षुणियों का विहार था। जो भारत में एकमात्र बौद्ध भिक्षुणियों (महिलाओं) का विहार है।
- यहां बुद्धदेव की विशाल मूर्ति अद्यावधि में विद्यमान है।

A. मल्हार (बिलासपुर) — यहां उत्खनन से अनेक बौद्ध मूर्तियां और चैत्य के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

5. सोंडा। सोंड्रा ग्राम (रायपुर) —

- बुद्ध की प्रतिमा का ऊपरी भाग
- यह प्रतिमा पाण्डुवंशीय काल 6-9 वीं शताब्दी की है।

6. मैनपाट (सरगुजा) — यहां बौद्ध मंदिर स्थित है। 1962 में तिब्बती शरणार्थी को बसाया गया है।